Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2328

[Total No. of Pages : 3

[5002] - 1011

M.A. (Part - I) (Semester - I)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र –1 : सामान्य स्तर

प्राचीन और मध्ययुगीन काव्य (अमीर खुसरो तथा जायसी)

(2013 Pattern) (Credit System)

पाठ्यपुस्तकें : 1) अमीर खुसरो और उनका हिंदी साहित्य
संपादक – डॉ. भोलानाथ तिवारी
2) पद्मावत : मलिक मुहम्मद जायसी
संपादक – वासूदेवशरण अग्रवाल

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) खड़ी बोली हिंदी के विकास में अमीर खुसरो के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

''ढकोसला'' का अभिप्राय स्पष्ट करते हुए अमीर खुसरो के ढकोसलों की विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न 2) ''पद्मावत'' में वर्णित ''सौंदर्य वर्णन'' पर प्रकाश डालिए।

अथवा

''पद्मावत'' में ''इतिहास और कल्पना का सुंदर समन्वय हुआ है'' – कथन को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3) ''अमीर खुसरो के गीतों में संवेदनशीलता भरी है'' – सोदाहरण समझाइए।

अथवा

''पद्मावत'' के स्त्री पात्रों का संक्षेप में परिचय दीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणीयाँ लिखिए :

क) अमीर खुसरो की भाषा;

ख) अमीर खुसरो के काव्य में प्रयुक्त दो सखुने;

ग) ''पद्मावत'' की भाषा शैली;

घ) राजा रत्नसेन का चरित्र चित्रण।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

क) श्याम बरन और दाँत अनेक।

लचकत जैसे नारी।।

दोनों हाथ से खुसरो खींचे।

और कहे तू आरी।

अथवा

आठ अंगुल का है वह असली।

उसके हड्डी न उसके पसली।।

लटाधारी गुरू का चेला।

ऐ सखीसाजन ना सखी केला।।

ख) धरी तीर सब छीपक सारी। सरवर महँ पैठी सब बारी।।

पाएँ नीर जानु सब बेंली। हुलसी करहिं काम कै केंली।।

नवल बसंत सँवार हि करीं। होइ परगट चाहहिं रस भरीं।।

करिल केस बिसहर बिस भरे। लहरैं लेहि कँवल मुखधरे।।

उठे कोंप जनु दारिवँ दाखा। भई ओनंत प्रेम कै साखा।।

अथवा

चढ़ा असाढ़ गँगन घन गाजा। साजा बिरह दुंद दल बाजा।।

धूम स्याम धौरे घन धाए। सेत धुजा बगु पाँति देखाए।

खरग बीज चमकै चहुँ ओरा। बूँद बान बरिसै घन घोरा।।

अद्रा लाग बीज भुई लेई। मोहि पिय बिनु को आदर देई।।

औने घटा आई चहुँ फेरी। कंत उबारू मदन हौं घेरी।।

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2329

[Total No. of Pages : 2

[5002] - 1012

M.A. (Part - I) (Semester - I)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 2 : विशेष स्तर

आधुनिक हिंदी कथा साहित्य (उपन्यास और कहानी)

(2013 Pattern) (Credit System)

पाठ्यपुस्तकें : 1) कलि कथा : वाया बाइपास – अलका सरावगी

2) हिंदी की श्रेष्ठ कहानियाँ – संपा. : डॉ. सुरेश बाबर

डॉ. विठ्ठलसिंह ढाकरे

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– i) *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

ii) *सभी प्रश्नों को समान अंक हैं।*

प्रश्न 1) हिंदी कहानी विधा के उद्‌भव एवं विकास का संक्षेप में परिचय दीजिए।

अथवा

'सजा' कहानी की संवेदना एवं शिल्प पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) 'कलि – कथा : वाया बाइपास' उपन्यास के देशकाल, वातावरण का परिचय दीजिए।

अथवा

'कलि – कथा : वाया बाइपास' उपन्यास में शांतनु की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3) 'इस जंगल में' कहानी में मानवीय – संबंधों के चित्रण को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'कलि – कथा : वाया बाइपास' उपन्यास की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

P.T.O.

प्रश्न 4) किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) मनहूसाबी की चारित्रिक विशेषताएँ;

ख) 'रिमाइण्डर' कहानी का उद्देश्य;

ग) 'कलि – कथा : वाया बाइपास' के राम विलास बाबू;

घ) अलका सरावगी का व्यक्तित्व।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

क) ''दादी, तुमने क्यों बनने दिया पापा को ऐसा? ऐसा लगता है जैसे हम किसी मिलिट्री रूल में रह रहे हों। उनकी ही मर्जी से हम सोयें, जगें, पढें, हंसें और कभी जिद न करें – कभी न रोएं। ऐसा क्यों है?''

अथवा

''सरोज, किशोर बाबू का दिमाग बहुत गरम है। उन्हें गुस्सा मत दिलाया करो – ठंडा रखा करो।''

ख) ''कल्पना का आनन्द नहीं मधूलिका, मैं तुम्हें राजरानी के सम्मान से सिंहासन पर बिठाऊँगा; तुम अपने छिने हुए खेत की चिन्ता करके भयभीत न हो''

अथवा

''भाइयों! राम राजा था। देखो, छोटी जात का कोई कभी राम नहीं बनने पाता है। राक्षस सब बनते हैं। बिराहिम, कालू, भुलई, फेद्दर, सभी की पालटी है, हमारी। यह जनता की लड़ाई है। बोल दो धावा।''

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2330

[Total No. of Pages : 2

[5002] - 1013

M.A. (Part - I) (Semester - I)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 3 : विशेष स्तर

भारतीय साहित्यशास्त्र

(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) रस निष्पत्ति संबंधी भट्टनायक तथा अभिनव गुप्त द्वारा की गई व्याख्याओं का विवेचन कीजिए।

अथवा

भरतमुनि के रस सूत्र के आलोक में रस सिध्दांत का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2) अलंकार और अलंकार्य को स्पष्ट करते हुए काव्य में अलंकारों का स्थान निरूपित कीजिए।

अथवा

रीति की परिभाषा देते हुए रीति के भेदों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 3) ध्वनि का स्वरूप स्पष्ट करते हुए ध्वनि के आधार पर किए गए काव्य भेदों का परिचय दीजिए।

अथवा

आचार्य क्षेमेन्द्र पूर्व औचित्य विचार का विवेचन करते हुए औचित्य के भेदों पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

क) साधारणीकरण की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

ख) वक्रोक्ति के भेदों का परिचय दीजिए।

ग) रीति और शैली के अंत: संबंध पर प्रकाश डालिए।

घ) अलंकार और रस का संबंध स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणीयाँ लिखिए :

क) रस निष्पत्ति संबंधी भट्टलोल्लट के विचार;

ख) अलंकार की परिभाषा;

ग) रीति शब्द की व्युत्पत्ति;

घ) वक्रोक्ति का महत्व।

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2331

[Total No. of Pages : 12

[5002] - 1014

M.A. (Part - I) (Semester - I)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 4 विशेषस्तर : वैकल्पिक

(2013 Pattern) (Credit System) (Optional Paper - I)

महत्वूपर्ण सूचना : निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी एक ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

पाठ्यपुस्तक : कबीर ग्रंथावली : संपादक : श्यामसुंदर दास

अ) विशेष साहित्यकार : कबीर

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) कबीर की जीवनी लिखते हुए उनके व्यक्तित्व का परिचय दीजिए।

अथवा

कबीर की विरह भावना पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) कबीर के धार्मिक विचारों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

कबीर की प्रतीक पद्धति का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 3) ब्रह्म एवं जीव संबंधी कबीर के विचारों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

कबीर का भक्त कवियों में स्थान निर्धारित कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) कबीर के सामाजिक विचारों का संक्षेप में विवेचन कीजिए।

ख) कबीर के रहस्यवाद का परिचय दीजिए।

ग) माया, जगत एवं मोक्ष के संबंध में कबीर के क्या विचार हैं?

घ) कबीर का काव्य क्यों प्रासंगिक है?

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

क) जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि है मैं नाँही।

सब अँधियारा मिट गया, जब दीपक देख्या माँहि।।

अथवा

कबीर कहा गरबियौ, इस जीवन की आस।

टेसू फूले दिवस चारि, खंखर भये पलास।।

ख) निंदक नेड़ा राखिये, आँगणि कुटी बँधाइ।

बिन साबण पाँणी बिना, निरमल करै सुभाइ।।

अथवा

दुलहनी गावहु मंगलचार,

हम घरि आए हो राजा राम भरतार ।। टेक ।।

तन रत करि मैं मन रत करि हूँ , पंचतत्त बराती।

राम देव मोरैं पाँहुनैं आये मैं जोबन मैं माती।।

सरीर सरोवर बेदी करि हूँ, ब्रह्मा वेद उचार।

रामदेव सँगि भाँवरी लैहूँ, धनि धनि भाग हमार।।

सुर तेतीसूँ कौतिग आये, मुनिवर सहस अठ्यासी।

कहै कबीर हँम ब्याहि चले हैं, पुरिष एक अबिनासी।।

Total No. of Questions : 5]

P2331

[5002] - 1014

M.A. (Part - I) (Semester - I)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 4 विशेष स्तर : वैकल्पिक

(2013 Pattern) (Credit System) (Optional Paper - I)

आ) विशेष साहित्यकार : कवि तुलसीदास

पाठ्यपुस्तके : i) रामचरितमानस : अयोध्याकांड

ii) विनयपत्रिका – संपादक : वियोगी हरि

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) तुलसीदास की भक्ति भावना का विवेचन कीजिए।

अथवा

तुलसीदास के मर्यादावाद पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) 'विनय पत्रिका' के वर्ण्य विषय का परिचय दीजिए।

अथवा

'विनय पत्रिका' के भक्ति भाव का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 3) तुलसीदास के राम का परिचय दीजिए।

अथवा

'विनय पत्रिका' में तुलसी के मन को उद्‌बोधन को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

क) तुलसीदास के दार्शनिक विचारों का परिचय दीजिए।

ख) रामचरितमानस की कथा का संक्षेप में विवेचन कीजिए।

ग) विनय पत्रिका का शैली पर प्रकाश डालिए।

घ) भक्ति–काव्य में विनय पत्रिका का स्थान निर्धारित कीजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

क) रिधि सिधि संपत्ति नदीं सुहाई। उमगि अवध अंबुधि कहुँ आई।।

मनिगन पुर नर नारी सुजाती। सुचि अमोल सुंदर सब भाँति।।

कहि न जाइ कछु नगर विभूती। जनु एतनिअ बिरंचि करतूती।।

सब बिधि सब पुर लोग सुखारी। रामचंद मुखचंद निहारी।।

मुदित मातु सब सखीं सहेली। फलित बिलोकि मनोरथ बेली।।

राम रूप गुन सीलु सुभाऊ। पुमुदित होई देखि सुनि राऊ।।

अथवा

मोहि मग चलत न होइहि हारि छिनु छिनु चरन सरोज निहारी।।

सबहि भाँति पिय सेवा करि हौं। मारग जनित एकल भ्रम हरि हौं।।

पाय परवारि बैठितरू छाहीं। करिहउँ बाउ मुदित मन माहीं।।

श्रमकन सहित स्याम तनु देखें। कहँ दुख समउ प्रानपति पेखें।।

सम महि तृनतरू पल्लव दासी। पाय पलेटिहि सब निसि दासी।।

बार बार मृदु मूरति जोही। लागिहि तात बयरि न मोही।।

ख) निज घर की बरबात बिलोकहु, हौं तुम परम सयानी।

सिव की दई सम्पदा देखत, श्री सारदा सिहानी।।

जिनके भाल लिखि लिपि मेरी, सुख की नहीं निसानी।

तिन रंकन को नाक सँवारत, हौं आयो न कबानी।।

दुख दीनता दुखी इनके, दुख जाचकता अकुलानी।

यह अधिकार सौंपिये औरहिं भीख भली मैं जानी।।

अथवा

राम राम राम जीह जौलों तू न जपि है।

तौ लौं तूँ कहूँ ही जाय तिहूँ ताप तपि है।।

सुरसरि – तीर बिनु तीर दुख पाइ है।

सुरतरु तरे तोहिं दारिद सताइ है।।

जागत, बागत, सपने न सुख सोइ है।

जनम जनम जुग – जुग जग रोइ है।।

Total No. of Questions : 5]

P2331

[5002] - 1014

M.A. (Part - I) (Semester - I)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 4 विशेषस्तर : वैकल्पिक

(2013 Pattern) (Credit System) (Optional Paper - I)

इ) विशेष साहित्यकार : नाटककार सुरेंद्र वर्मा

पाठ्यपुस्तके : i) सेतुबंध ।

ii) सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक।

iii) आठवाँ सर्ग ।

iv) रति का कंगन ।

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि से नाटक के स्वरूप एवं तत्वों का परिचय दीजिए।

अथवा

हिंदी रंगमंच के विकास पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) 'सेतुबंध' नाटक के प्रमुख पात्रों का परिचय दीजिए।

अथवा

'आठवाँ सर्ग' नाटक के देशकाल एवं वातावरण पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 3) 'सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक' नाटक की कथावस्तु लिखिए।

अथवा

'रति का कंगन' नाटक के संवादों की विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए ।

क) नाटक विद्या के संदर्भ में पात्रों के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

ख) सुरेंद्र वर्मा के कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

ग) 'सेतुबंध' नाटक की मंचीयता को स्पष्ट कीजिए।

घ) 'आठवाँ सर्ग' नाटक के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की संसदर्भ व्याख्या कीजिए :

क) ''आज हम बहुत संतुष्ट हैं – सेनापति। सम्राट समुद्रगुप्त ने सारी दक्षिण दिशा में विजय पताका दोहरायी थी। हमने पूरे उत्तर को निरूत्तर कर दिया''।

अथवा

''नहीं, तुम यहाँ सारी रात जागोगे, मैं वहाँ सारी रात जागूँगी। वही अपमान, वही लज्जा ग्लानि, वही चिंता और घुटन और घबराहट के साथ वही स्त्री हाथों में जयमाला लिए राजप्रांगण में उतरेगी, सहस्त्रों दृष्टियों का केंद्र बनी और एक रात के लिए किसी पुरूष के साथ चले जाएगी, जिसे उसने कभी देखा नहीं, जिसके संबन्ध में वह कुछ नहीं जानती।''

ख) ''तब मुझे इस बात का अनुभव कहाँ था कि ब्याह के बाद नवदम्पति का पारस्परिक व्यवहार क्या और कैसा होता है? ..... हटो, जैसे अभी तक सब कुछ तुमने अनुभवों से ही लिखा हो! कल्पना और अन्तदृष्टि क्यों किसी ने छीन ली थी?''

अथवा

''ज्ञान, कौशल और विशेषज्ञता कम काम के हैं, अगर व्यक्ति स्थितप्रज्ञ नहीं है तो, क्योंकि भावात्मक संतुलन ज्ञान भंडार पर भारी पड़ता है।''

Total No. of Questions : 5]

P2331

[5002] - 1014

M.A. (Part - I) (Semester - I)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 4 विशेष स्तर : वैकल्पिक

(2013 Pattern) (Credit System) (Optional Paper - I)

ई) विशेष साहित्यकार : कवि रामधारीसिंह दिनकर

पाठ्यपुस्तके : i) कुरूक्षेत्र

ii) उर्वशी

iii) हुंकार

iv) बापू

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) ''दिनकर का 'कुरूक्षेत्र' युध्द और शांति का संदेश देता है।'' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'''उर्वशी' में प्रेम भाव की सशक्त अभिव्यक्ति हुई है।'' सोदाहरण समझाइए।

प्रश्न 2) 'हुंकार' काव्य के प्रति पादय को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'बापू' काव्य के महत्व को विशद कीजिए।

प्रश्न 3) जन जागरण संबंधी आधुनिक काव्यधारा में कवि दिनकर का स्थान निर्धारित कीजिए।

अथवा

कवि रामधारी सिंह दिनकर की काव्य प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

क) उर्वशी का चरित्र – चित्रण कीजिए।

ख) 'कुरूक्षेत्र' काव्य का उद्देश्य लिखिए।

ग) '''हुंकार' काव्य में क्रांति की गूँज सुनाई देती है।'' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

घ) 'बापू' काव्य की दार्शनिकता पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

क) ''रणभूमि में वह देखता है सत्य को रोता हुआ;

वह सत्य है जो रो रहा इतिहास के अध्याय में

विजयी पुरूष के नाम पर कीचड़ नयन का डालता।''

अथवा

''माँ।! हत्ताश मत हो, भविष्य वह चाहे कहीं छिपा हो,

मैं आया हूँ अग्र दूत बन उसी स्वर्ण – जीवन का।

पिया दूध ही नहीं, जननि! मैं करूणामयी त्रिया के

क्षीरोज्जवल कल्पना–लोक में पल कर बड़ा हुआ हूँ।''

ख) ''पहन मुक्ता के युग अवतंस,

रत्न गुंफित खोले कच जाल,

बजाती मधुर चरण–मंजीर,

आ गई नभ में रजनी–बाल।''

अथवा

''अंगार हार उनका, जिनकी सून हाँक, समय रूक जाता है,

आदर्श जिधर का देते हैं, इतिहास उधर जुड़ जाता है।''

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2332

[Total No. of Pages : 3

[5002] - 2011

M.A. (Part - I) (Semester - II)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 5 : सामान्य स्तर

मध्ययुगीन हिंदी काव्य (सूरदास, बिहारी तथा भूषण)

(2013 Pattern) (Credit System)

पाठ्यपुस्तके : 1) सूरदास : भ्रमरगीत सार – संपा. आ. रामचंद्र शुक्ल

2) बिहारी रत्नाकर : श्री. जगन्नाथ 'रत्नाकर'

3) रीति काव्यधारा : संपा. डॉ. रामचंद्र तिवारी
डॉ. रामफेर त्रिपाठी

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

2) *सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।*

प्रश्न 1) ''सूरदास ने निर्गुण पर सगुण की तथा ज्ञान पर भक्ति की विजय दिखलाई है।'' स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'भ्रमरगीत' के गोपियों की वचन वक्रता का सोदाहरण परिचय दीजिए।

प्रश्न 2) ''बिहारी रीतिसिद्ध कवि हैं।'' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

बिहारी के संयोग शृंगार का चित्रण कीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 3) ''भूषण के काव्य में राष्ट्रीय चेतना का सुंदर समन्वय हुआ है।'' समीक्षा कीजिए।

अथवा

भूषण की काव्य कला पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

क) 'भ्रमरगीत' के प्रकृति चित्रण पर प्रकाश डालिए।

ख) सतसई परम्परा में भूषण के स्थान और महत्व को विशद कीजिए।

ग) भूषण कालीन राजनीतिक परिस्थीति पर प्रकाश डालिए।

घ) बिहारी के काव्य सौंदर्य का चित्रण कीजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

क) जोग ठगौरी ब्रज न बिकैहै।

यह व्यापार तिहारो ऊधो! ऐसोई फिरि जैहै।।

जापै लै आए हौ मधुकर ताके उर न समैहै।

दाख छाँडि कै कटुक निंबौरी को अपने मुख खैहै।।

मूरी के पातन के केना को मुक्ताहल दैहै।

सूरदास प्रभु गुनहि छाँडि कै को निर्गुन निबैहै।।

ख) कागद पर लिखत न बनत, कहत संदेसु लजात।

कहिहै सबु तेरौ हियौ, मेरे हिय की बात।।

ग) जा पर साहि तनै शिवराज सुरेस कि ऐसी सभा सुभ साजै।

यो कवि भूषण जंपत हैं लखि संपति को अलकापति लाजै।।

जा मधि तीनिहु लोक कि दीपति ऐसो बडौ गढराज बिराजै।

वारि पाताल सी माची मही अमरावति की छवि ऊपर छाजै।।

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2333

[Total No. of Pages : 2

[5002] - 2012

M.A. (Part - I) (Semester - II)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 6 : विशेष स्तर

आधुनिक हिंदी नाटक और निबंध

(2013 Pattern) (Credit System)

पाठ्यपुस्तकें : 1) नाटक – 'अभंग – गाथा' नरेंद्र मोहन

2) निबंध माला – संपा. डॉ. सुरेश बाबर
डॉ. नीला बोर्वणकर

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) नवें दशक के हिंदी नाटक विकास में नरेंद्र मोहन का योगदान स्पष्ट कीजिए।

अथवा

कथ्य एवं शिल्प के आधार पर 'अभंग–गाथा' नाटक की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 2) 'आधुनिक हिंदी निबंध विकास में ललित – निबंध अत्यंत लोकप्रिय विधा है' – पठित निबंधों के आधार पर कथन का विवेचन कीजिए।

अथवा

'संस्कृति है क्या?' निबंध की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 3) 'अभंग – गाथा' नाटक का कथ्य तत्कालीन सामाजिक भेदभाव धार्मिक संकीर्णता एवं वर्गभेद को स्पष्ट करता है' – कथन का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

अथवा

'नीलकंठ उदास' निबंध का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) 'अभंग – गाथा' की जिजाई

ख) 'अभंग – गाथा' का शीर्षक

ग) 'ठूँठा आम' की प्रतीकात्मकता

घ) पुस्तकालय : संत मिलन का उत्तम मार्ग का उद्देश्य।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

क) ''अपने को पाने में अपने को गँवा बैठा हूँ। लुटाता – लुटाता खुद लूट गया हूँ। जो हूँ लगता नहीं हूँ और जो लगता हूँ वह हूँ नहीं। होने और लगने के बीच मैं रूक पड़ा हूँ।''

अथवा

''कभी शूद्र कहकर तुझे लांछित कर तेरी हत्या की, तो कभी अनाज के ढेर पर कुंडली मारकर तुझे भूखा मारा, कभी तुझे पागल ठहराया, तो कभी परम रसिक कहकर तेरे चरित्र की हत्या की।''

ख) इस जनतंत्र में हर स्तर पर एक साबुत आदमी है और उसके साथ एक विभक्त आदमी है। इसका परिणाम है कि पूरी समष्टि विभक्त है।

अथवा

''धनी बोलता है, कितने उँचे नाटककार हो तुम। मैं तुम्हारे नाटक को दो लाख का पारितोषिक घोषित करता हूँ। उधर नौकरशाह भी कहते हैं ... हम तुम्हारे लिए पद्मश्री की उपाधि घोषित करते हैं।''

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2334

[Total No. of Pages : 2

[5002]-2013

M.A. (Part - I) (Semester - II)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र - 7 : विशेष स्तर

पाश्चात्य साहित्यशास्त्र

(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) प्लेटो के अनुकरण सिद्धांत पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

अथवा

प्लेटो और अरस्तू के अनुकरण विषयक विचारों की तुलना कीजिए।

प्रश्न 2) उदात्त सिद्धांत के अंतरंग और बहिरंग तत्वों का परिचय दीजिए।

अथवा

रिचर्डस् के संप्रेषण सिद्धांत का विवेचन करते हुए काव्य के संदर्भ में उसका महत्व विशद कीजिए।

प्रश्न 3) निर्वैयक्तिकता संबंधी अवधारणा का परिचय देते हुए पाश्चात्य साहित्यशास्त्र में इस सिद्धांत का स्थान निर्धारित कीजिए।

अथवा

वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धांत का स्वरूप एवं महत्व स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) बिंबवाद का महत्व विशद कीजिए।

ख) विखंडनवाद का परिचय दीजिए।

ग) तुलनात्मक आलोचना प्रणाली को स्पष्ट कीजिए।

घ) मनोवैज्ञानिक आलोचना प्रणाली पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) विरेचन सिद्धांत का स्वरूप,

ख) लोंजाइनस का योगदान,

ग) पाश्चात्य साहित्यशास्त्र में इलियट का स्थान,

घ) मार्क्सवादी आलोचना प्रणाली।

● ● ●

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2335

[Total No. of Pages : 8

[5002]-2014

M.A. (Part - I) (Semester - II)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र - 8 : विशेष स्तर : वैकल्पिक विशेष विधा तथा अन्य

(2013 Pattern) (Optional Paper - I)

महत्वपूर्ण सूचना : निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी एक ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

क) हिंदी उपन्यास

पाठ्यपुस्तकें :
1) *चित्रलेखा–भगवतीचरण वर्मा*
2) *गोदान – प्रेमचंद*
3) *अलग अलग वैतरणी–शिवप्रसाद सिंह*
4) *परिशिष्ट–गिरिराज किशोर*

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*
2) *सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।*

प्रश्न 1) 'प्रेमचंद के स्त्री पात्रों में विद्रोह एवं संघर्ष के दर्शन होते है', इस कथन को 'गोदान' के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'चित्रलेखा' उपन्यास के आधार पर चित्रलेखा और कुमारगिरी के चरित्र विकास पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) 'अलग–अलग वैतरणी' उपन्यास की आँचलिकता पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'भाव पक्ष और कलापक्ष, की दृष्टि से 'परिशिष्ट' एक 'श्रेष्ठ उपन्यास' है' समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 3) हिंदी उपन्यासों के विकास क्रम पर प्रकाश डालिए।

अथवा

उपन्यास की परिभाषा, स्वरूप एवं तत्वों को विशद कीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणीयाँ लिखिए।

क) 'परिशिष्ट' उपन्यास का शीर्षक,

ख) 'गोदान' का भाव पक्ष,

ग) 'चित्रलेखा' उपन्यास का उद्‌देश्य,

घ) 'अलग–अलग वैतरणी का विपिन।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

क) तुम हमें ब्राह्‌मन नहीं बना सकते, मुदा हम तुम्हें चमार बना सकते हैं। हमें ब्राह्‌मन बना दो, हमारी सारी बिरादरी बनने को तैयार है। जब यह समरथ नहीं है, तो फिर तुम भी चमार बनो।

अथवा

संसार में इसीलिए पाप की परिभाषा नहीं हो सकी–और न हो सकती है। हम न पाप करते है और न पुण्य करते है, हम केवल वह करते हैं, जो हमें करना पडता हैं।

ख) मैं टुकड़े टुकड़े बिक जाऊँगी। पर वह कंगन नहीं दूँगी। मरते समय अइया ने उसे मेरे हाथ में देकर कहा था कि यह कंगन विपिन की बहू को दे देना। मैं पुरखों से दगा नहीं कर सकती।

अथवा

उन्होंने हम लोगों को हरिजन नहीं बनाया, हरिजन का खिताब दिया। वह भी इसीलिए नहीं कि हमारा हक था ..... बल्कि इसलिए कि सवर्णो की स्थिति अक्षुण बनी रहे।

● ● ●

Total No. of Questions : 5]

P2335

[5002]-2014
M.A. (Part - I) (Semester - II)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र - 8 : विशेष स्तर : वैकल्पिक
(2013 Pattern) (Credit System) (Optional Paper)
ख) हिंदी यात्रा साहित्य : स्वरूप और विकास

पाठ्यपुस्तकें : *1) मेरी जीवन–यात्रा भाग – 2 राहूल सांकृत्यायन*
2) एक बूँद सहसा उछली – अज्ञेय
3) चीड़ों पर चाँदनी ..... निर्मल वर्मा
4) सूर्य मंदिरों की खोज में ..... डॉ. श्याम सिंह शशि.

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) यात्रा साहित्य का संबंध कहानी, नाटक, संस्मरण, रेखा चित्र, आत्मकथा जैसी विधाओं के साथ भी होता है'–कथन का विवेचन कीजिए।

अथवा

स्वातंत्र्योत्तर यात्रा साहित्य का परिचय दीजिए।

प्रश्न 2) 'एक व्यक्ति की जीवन–कहानी होते हुए भी 'मेरी जीवन–यात्रा' बीसवीं सदी के तीन दशकों का इतिहास है'–कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'एक बूँद सहसा उछली' के लेखक अज्ञेय जो प्रदेश सबके सामने लाते हैं उसका सांस्कृतिक चित्र आँखों के सामने साकार होता है'–कथन का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

प्रश्न 3) 'निर्मल वर्मा के यात्रा–साहित्य में 'पहाडी सौंदर्य' का अपना विशिष्ट स्थान है'–'चीड़ों पर चाँदनी' के आधार पर कथन को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'सूर्य मंदिरों की खोज में' यात्रा साहित्य में देश–विदेश का सांस्कृतिक जीवन अंकित हुआ है' – कथन की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) यात्रा साहित्य के तत्त्व

ख) 'मेरी जीवन–यात्रा' में लेखक के अनुभव,

ग) 'चीड़ों पर चाँदनी' का शीर्षक,

घ) 'एक बूँद सहसा उछली' की भाषागत विशेषताएँ।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

क) ''हाँ, मैं देखता हूँ, उनकी, यहाँ बड़ी भीड़ रहती है, लेकिन मुझे सभी रास्ता दे देते हैं। मैंने ऐसे भलमानस भूत तो दुनिया में कहीं नहीं देखे।

अथवा

'भारत का आदर्श है कि लिखना उसीको चाहिए जो संघर्ष की अवस्था पार करके कहीं पहुँच चुका है, जो समदर्शी और अनासक्त है।'

ख) 'उर्मियाँ सतह पर उठती हैं, दौड़ती हैं, छोटे–छोटे बूँदो–सी झील के साँवले गालों पर झूलती हैं और फिर गुम हो जाती हैं।

अथवा

'फलत: प्रतिदिन एक व्यक्ति का सिर धड से अलग कर दिया जाता है और यों कितने ही निरीह व्यक्ति सूर्य की बलि चढ़ गए।'

● ● ●

Total No. of Questions : 5]

P2335

[5002]-2014
M.A. (Part - I) (Semester - II)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र - 8 : विशेष स्तर : वैकल्पिक : विशेष विधा तथा अन्य
(2013 Pattern)
ग) प्रयोजनमूलक हिंदी

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) प्रयोजनमूलक हिंदी की विभिन्न प्रयुक्तियाँ विशद कीजिए।

अथवा

विज्ञापन की भाषागत विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न 2) पारिभाषिक शब्दावली का स्वरूप एवं उसके प्रकारों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

विविध क्षेत्रों में कम्प्यूटर के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3) दृक्–श्राव्य माध्यमों का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

प्रारूपण की परिभाषा देते हुए उसकी विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) संपर्क भाषा के रूप में हिंदी का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

ख) कम्प्यूटर का परिचय देते हुए उसका महत्त्व विशद कीजिए।

ग) समाचार लेखन का स्परूप स्पष्ट कीजिए।

घ) टेलीविजन धारावाहिक लेखन की विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) साक्षात्कार लेखन

ख) इंटरनेट

ग) बैंक के क्षेत्र में कम्प्यूटर

घ) विज्ञापन का महत्त्व।

● ● ●

Total No. of Questions : 5]

P2335

[5002]-2014
M.A. (Part - I) (Semester - II)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र - 8 : विशेष स्तर : वैकल्पिक
(2013 Pattern) (Credit System)
घ) हिंदी दलित साहित्य

पाठ्यपुस्तकें : *1) जस तस भई सबेर: सत्यप्रकाश*
2) जूठन : ओमप्रकाश वाल्मिकी
3) नई सदी की पहचान : श्रेष्ठ दलित कहानियाँ संपादक : मुद्राराक्षस
4) गूंगा नहीं था मैं : जयप्रकाश कर्दम

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) दलित साहित्य पर होने वाले, महात्मा ज्योतिराव फुले और डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के वैचारिक प्रभाव पर प्रकाश डालिए।

अथवा

दलित साहित्य में अभिव्यक्त भारतीय समाज की वर्णव्यवस्था का चित्रण कीजिए।

प्रश्न 2) 'जूठन' में ओमप्रकाश वाल्मिकी की आत्मपीड़ा का चित्रण हुआ है – स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'गूँगा नही था मैं' की कविताओं का आशय स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3) 'जूठन' दिल दहला देनेवाली एक दलित लेखक की सच्ची कहानी है–की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'दाग दिया सच' कहानी के सच पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) दलित विमर्श की व्याख्या;

ख) 'जूठन' के मिस्टर और मिसेज कुलकर्णी

ग) 'जस तस भई सबेर' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता;

घ) 'बदबू' कहानी का उद्देश्य।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

क) ''अरे मूर्खों, देख क्या रहे हो, कल तुम्हारी भी बहू–बेटियों के साथ यही होगा। अन्याय का विरोध करो। अन्याय को चुपचाप सहन करना भी अन्याय है।''

अथवा

''टोकरा भर तो जूठन ले जा रही है ..... ऊपर से जाकतों के लिए खाणा माँग री है? अपणी औकात में रह चूहड़ी! उठा टोकरा दरवाजे से और चलती बन।''

ख) ''आखिर कौन–सा आसमान फट पड़ा, जो इतनी जोर से चिल्ला रहा है? इन नीचों की तो आदतें ही ऐसी हैं। अपनी बस्ती में तो, गांजा–शराब पीकर लड़ते–झगड़ते–चिल्लाते ही हैं, हम लोगो की बस्ती में भी, शान्ति में विघ्न–डालने से नहीं चूकते।''

अथवा

''आग लगती है तुम्हें
मेरी उपलब्धियों से और
अनुचित लगता है तुम्हें मेरा प्रमोशन
क्या केपिटेशन फीस
यानी रिश्वत देकर एडमिशन लेना
उचित है?''

● ● ●

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2336

[Total No. of Pages : 2

[5002]-3011

M.A. (Semester - III)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र - 9 : सामान्य स्तर : आधुनिक काव्य -1

(महाकाव्य तथा खंडकाव्य)

(2013 Pattern)

पाठ्यपुस्तके : कामायनी – जयशंकर प्रसाद

गोपा – गौतम डॉ. जगदीश गुप्त

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) 'महाकाव्य ने नायक के रूप में मनु को प्रस्तुत करने में प्रसाद जी सफल हुए हैं'–कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'कामायनी एक रूपक–काव्य है'–स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2) गोपा–गौतम की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'गोपा–गौतम एक संवाद–काव्य है।' विवेचन कीजिए।

प्रश्न 3) कामायनी के महाकाव्यत्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

गोपा–गौतम काव्य की प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) मनु का चिंतन

ख) कामायनी की भाषा

ग) गोपा–गौतम की मिथकीय चेतना

घ) गोपा–गौतम की सर्ग योजना।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

च) प्रकृति के यौवन का श्रृंगार करेंगे कभी न बासी फूल,
मिलेंगे वे जाकर अति शीघ्र आह उत्सुक है उनकी धूल।
पुरातनता का यह निर्मोक सहन करती न प्रकृति पल एक,
नित्य नूतनता का आनंद किए है परिवर्तन में टेक।।

अथवा

भगवती, समझी मैं! सचमुच कुछ भी न समझ थी मुझको,
सबको ही भुला रही थी अभ्यास यही था मुझको।
हम एक कुटुंब बना कर यात्रा करने हैं आए,
सुन कर यह दिव्य–तपोवन जिसमें सब अघ छुट जाए।।

छ) भीतर–भीतर साल रहा था–
अपयश पति का।
मुझे ज्ञात उपचार नहीं था–
उनकी मति का।
अनासक्त वे
उत्तरोत्तर अधिक हो गए।
मेरी ममता के, माया के
वधिक हो गए।

अथवा

कर लिया मैंने स्वयं
अपनी सब इंद्रियों पर अधिकार
दमन कर दिया भय का, क्रोध का
लोभ–मोह–काम भी
मुझ को अब बाँध नहीं पाएँगे।

● ● ●

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2337

[Total No. of Pages : 2

[5002]-3012

M.A. (Semester - III)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र - 10 : विशेष स्तर : भाषाविज्ञान

(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार पर प्रकाश डालिए।

अथवा

भाषाविज्ञान की शाखाओं को विशद कीजिए।

प्रश्न 2) स्वर वर्गीकरण का विवेचन कीजिए।

अथवा

व्यंजन वर्गीकरण पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 3) वाक्य की परिभाषा देकर उसके स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

शब्द और पद की परिभाषा देकर उसके स्वरूप को विशद कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) अर्थविज्ञान की विविध परिभाषाओं पर प्रकाश डालिए।

ख) अर्थपरिवर्तन की दिशाएँ विशद कीजिए।

ग) अर्थबोध के साधन कौन–कौन से हैं? समझाइए।

घ) भाषाविज्ञान और साहित्य के पारस्परिक संबंधों को स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) भाषाभूगोल

ख) व्यंजन गुच्छ

ग) स्वनिम के भेद

घ) रूपिम का स्वरूप।

● ● ●

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2338

[Total No. of Pages : 2

[5002]-3013

M.A. (Semester - III)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र - 11 : विशेष स्तर : हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल तक)

(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) हिंदी साहित्य के इतिहास की सीमा निर्धारण के संबंध में मतमतांतरों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

हिंदी साहित्य के इतिहास के कालखंडों के नामकरण पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) आरंभिक गद्य तथा लौकिक साहित्य को विशद कीजिए।

अथवा

नाथ साहित्य की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3) हिंदी कृष्णकाव्य एवं विविध संप्रदायों का परिचय दिजिए।

अथवा

कबीर और तुलसीदास के परिप्रेक्ष्य में भक्तिकालीन साहित्य की सामाजिक उपादेयता पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) रीतिकाल की सामाजिक परिस्थिति का संक्षेप में परिचय दीजिए।

ख) रीतिमुक्त काव्य की शैलीगत प्रवृत्तियों पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

ग) रीतिकाल के भक्ति साहित्य की उपादेयता समझाइए।

छ) रीतिकालीन कवि मतिराम के योगदान का विवेचन कीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों पर टिप्पणी लिखिए।

क) चारणकाल

ख) संत काव्य का वैचारिक आधार

ग) हिंदी के प्रमुख सूफी कवि

घ) पद्माकर।

● ● ●

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2339

[Total No. of Pages : 6

[5002]-3014

M.A. (Semester - III)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र - 12 : विशेष स्तर : वैकल्पिक

अ) आधुनिक हिंदी आलोचना

(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) श्रेष्ठ आलोचक के प्रमुख गुणों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

हिंदी आलोचना साहित्य को आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी का क्या योगदान है? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2) हिंदी आलोचना साहित्य को आचार्य रामचंद्र शुक्ल के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना पद्धति की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 3) डॉ. नगेंद्र की आलोचना पद्धति को समझाइए।

अथवा

हिंदी आलोचना साहित्य के डॉ. रामविलास शर्मा का क्या योगदान है? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

अ) डॉ. नामवर सिंह की आलोचना पद्धति की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

आ) समकालीन आलोचना की अवधारणा 'विखंडन' को स्पष्ट कीजिए।

इ) डॉ. नामवर सिंह का आलोचक के रूप में योगदान स्पष्ट कीजिए।

ई) आलोचक की आस्था पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) आलोचना की प्रक्रिया।

ख) आलोचक के गुण।

ग) आलोचना का स्वरूप।

घ) आलोचक डॉ. नंददुलारे वाजपेयी

● ● ●

Total No. of Questions : 5]

P2339

[5002]-3014
M.A. (Semester - III)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र - 12 : विशेष स्तर : वैकल्पिक
आ) अनुवाद विज्ञान
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) अनुवाद का महत्व और उसकी व्याप्ती का विवेचन कीजिए।

अथवा

अनुवाद कार्य में सहायक साधनों की चर्चा कीजिए।

प्रश्न 2) प्रक्रिया के आधार पर अनुवाद के भेदों को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

अनुवाद और अर्थविज्ञान के पारस्परिक संबंध को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3) वाणिज्य और व्यापार सामग्री के अनुवाद का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

अथवा

वैज्ञानिक और तकनीकी अनुवाद की समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) कंप्यूटर अनुवाद की सीमाएँ स्पष्ट कीजिए।

ख) काव्यानुवाद करते समय कौन–कौन–सी समस्याएँ आती हैं?

ग) अनुवाद समीक्षा के निकष कौन–से हैं?

घ) मुहावरों के अनुवाद की समस्याओं को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणीयाँ लिखिए।

क) मूलभाषा का पाठबोधन

ख) अनुवाद के प्रकार

ग) अनुवाद : कला या विज्ञान

घ) अनुवाद और भाषा विज्ञान।

● ● ●

Total No. of Questions : 5]

P2339

[5002]-3014
M.A. (Semester - III)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र - 12 : विशेष स्तर : वैकल्पिक
इ) जनसंचार माध्यम और हिंदी
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) भारतीय संचार तकनीकी के इतिहास का विवेचन कीजिए।

अथवा

जनसंचार माध्यमों के विविध हिंदी भाषा–रूपों का संक्षेप में परिचय दीजिए।

प्रश्न 2) जनसंचार माध्यम और हिंदी साहित्य का अंत:संबंध स्पष्ट कीजिए।

अथवा

भारत में पत्रकारिता का आरंभ कब हुआ?–सोदाहरण विवेचन कीजिए।

प्रश्न 3) पत्रकारिता के मूलतत्वों के अंतर्गत खोजी खबर, अनुवर्तन की प्रविधि पर प्रकाश डालिए।

अथवा

समाचार के विभिन्न स्रोतों का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) व्हिडीओ और केबल पत्रकारिता किसे कहते हैं?

ख) समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता को स्पष्ट कीजिए।

ग) भारतीय संविधान में प्रदत्त सूचनाधिकार स्पष्ट कीजिए।

घ) हिंदी की लघु पत्रकारिता पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) सूचना प्रौद्यौगिकी

ख) इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता

ग) पृष्ठ विन्यास

घ) आमुख और समाचार पत्र की प्रस्तुति प्रक्रिया।

● ● ●

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2340

[Total No. of Pages : 2

[5002]-4011

M.A. (Part - II) (Semester - IV)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र - 13 : सामान्य स्तर : आधुनिक काव्य–2

(विशेष कवि कुँवर नारायण तथा नई कविता)

(2013 Pattern) (Credit System)

पाठ्यपुस्तके : *i) विशेष कवि कुँवर नारायण*
संपा. डॉ. सुरेश बाबर, डॉ. नीला बोर्वणकर
ii) नई कविता
संपा. डॉ. सुरेश बाबर, डॉ. अलका पोतदार

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) कुँवर नारायण की कविता यथार्थ की कविता है। स्पष्ट कीजिए।

अथवा

कवि कुँवर नारायण की काव्य–भाषा को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2) लीलाधर जगूड़ी की कविता से धिरे लोगों को प्रेरणा प्रदान करती है। स्पष्ट कीजिए।

अथवा

लीलाधर जगूड़ी की काव्य की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न 3) उदय प्रकाश की कविता में चित्रित प्रमुख समस्याएँ लिखिए।

अथवा

दामोदर मोरे की कविता सताए गए लोगों की वेदना को व्यक्त करती है। स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) नयी कविता की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

ख) लीलाधर जगूडी के काव्य के कथ्य पर प्रकाश डालिए।

ग) कात्यायनी के काव्य की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

घ) ''कात्यायनी का काव्य आशावादी आदमी का बयान है।'' स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

क) ''कविता वक्तव्य नहीं गवाह है
कभी हमारे सामने
कभी हमसे पहले
कभी हमारे बाद...''

अथवा

''रोज इतने हवाई जहाजों से उड़ते हुए
ये कौन लोग हैं?
इनमें हमारे गाँव का
हमारे रिश्ते का
हमारी जान-पहचान का
एक भी आदमी नहीं है...''

ख) ''अचरज है कि आज तक
जब भी घिरता हूँ मैं अँधेरे और अकेलेपन में अपनी
जर्जरता के साथ
हर बार पता नहीं कहाँ से चला आता है वही पहला वाक्य
मेरी ओर अपने व्याकुल हाथ बढ़ाता हुआ..''

अथवा

''चाहे प्रलय हो जाये
या उलट-पुलट जाये पूरी की पूरी दुनिया,
सुरक्षित रहेगी गुड़ की वह डली
माँ के आँचल में
सात तहों के बीच..''

● ● ●

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2341

[Total No. of Pages : 2

[5002]-4012

M.A. (Part - II) (Semester - IV)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र - 14 : विशेष स्तर

हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास

(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाओं का उल्लेख करते हुए पालि का सामान्य परिचय दीजिए।

अथवा

वैदिक संस्कृत और लौकिक संस्कृत की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) हार्नले तथा ग्रियर्सन द्वारा किया गया आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं का (अंतिम) वर्गीकरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

डॉ. सुनीतिकुमार चटर्जी और हरदेव बाहरी द्वारा किए गए आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं के वर्गीकरण पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 3) पश्चिमी हिंदी का परिचय देते हुए ब्रजभाषा की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

हिंदी बोलियों का वर्गीकरण प्रस्तुत करते हुए अपभ्रंश और पुरानी हिंदी के संबंध पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए।

क) हिंदी के शब्द–निर्माण में समास के महत्त्व को सोदाहरण समझाइए।

ख) हिंदी में लिंग, वचन और कारक व्यवस्था का सामान्य परिचय दीजिए।

ग) हिंदी के विशेषण तथा क्रियारूपों के विकास पर प्रकाश डालिए।

घ) हिंदी का व्याकरणिक स्वरूप संक्षेप में समझाइए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) देवनागरी लिपि का उद्‌भव एवं विकास।

ख) खरोष्ठी लिपि।

ग) राजभाषा के रूप में हिंदी।

घ) हिंदी के प्रचार–प्रसार में 'नागरी प्रचारिणी सभा, काशी' का योगदान।

● ● ●

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2342

[Total No. of Pages : 2

[5002]-4013

M.A. (Part - II) (Semester - IV)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र - 15 : विशेष स्तर

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) हिंदी नाटक–साहित्य के विकासक्रम का परिचय दीजिए।

अथवा

स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कहानी आंदोलन की कथ्यगत एवं शिल्पगत प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) हिंदी उपन्यास के विकास में प्रेमचंद युगीन प्रमुख उपन्यासों का परिचय देते हुए, उसका महत्व स्पष्ट कीजिए।

अथवा

हिंदी निबंध साहित्य का विकासात्मक परिचय दीजिए।

प्रश्न 3) छायावादी कविता की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

''साठोत्तरी कविता मोहभंग की कविता है''। स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) उपन्यासकार प्रेमचंद का परिचय दीजिए।

ख) निबंधकार आ–हजारीप्रसाद द्विवेदी के निबंधों का सामान्य परिचय दीजिए।

ग) प्रयोगवादी कविता में अज्ञेय के स्थान पर प्रकाश डालिए।

घ) समकालीन कविता की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) उपन्यासकार फणीश्वरणाथ रेणु।

ख) हिंदी का रेखाचित्र साहित्य।

ग) प्रगतिवादी कविता की सामान्य प्रवृत्तियाँ।

घ) कवि लीलाधार जगूडी।

● ● ●